35

राष्ट्रीय अनुदेशात्मक मीडिया संस्थान (निमी)-चेन्नई

35.1 संस्थान की स्थापना जर्मन सरकार की सहायता से की गई । संस्थान को 1 अप्रैल, 1999 से स्वायत्तशासी बनाया गया । संस्थान पूर्व में ‘‘केन्द्रीय अनुदेशात्मक मीडिया संस्थान’’ (सिमी) के नाम से जान जाता था तथा अब उसका नाम बदलकर ‘‘राष्ट्रीय अनुदेशात्मक मीडिया संस्थान’’ (निमी) रख दिया गया है । संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य शिल्पकार एवं शिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत प्रदान किए जा रहे सांस्थनिक प्रशिक्षण के स्तर में समग्र सुधार सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों के उपयोग के लिए विभिन्न व्यवसायों में अनुदेशात्मक सामग्री उपलब्ध कराना है । संस्थान के वर्तमान कार्यकलापों में व्यवसाय सिद्धांत, व्यवसाय व्यवहार पर पुस्तकों परीक्षा तथा/कार्य अनुदेशक गाइड, दृश्य सहाय्यों, कार्यशाला गणन एवं विज्ञान पर पुस्तकों, सदर्भ पाठ्यपुस्तकों, टेबल पुस्तकों इत्यादि जैसी सहायक सामग्री वाले अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों (आई एम पी) का विकास, उत्पादन एवं प्रचार प्रसार, परीक्षा संबंधी पदों का विकास तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अनुदेशकों के लिए ‘जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम’ तथा ‘गुणक प्रशिक्षण कार्यक्रम’ का आयोजन करना शामिल है ।

35.2 वर्ष 2003 तक 16 व्यवसायों की 120 पुस्तकें विकसित की जा चुकी हैं जिनमें से 116 पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं । 48 गुणक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं तथा जिनमें 1568 भाग लेने वालों को प्रशिक्षित किया जा चुका है । मशीनिस्ट एवं टर्नर व्यवसायों हेतु प्रश्न बैंक तैयार कर लिया गया है ।